UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

🎯JRF का जलवा 🔥🏆

पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र ,एवं अभिलेखशास्त्र सामान्य परिचय

UNIT=9

Daily = 6 pm

Class-43

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d running

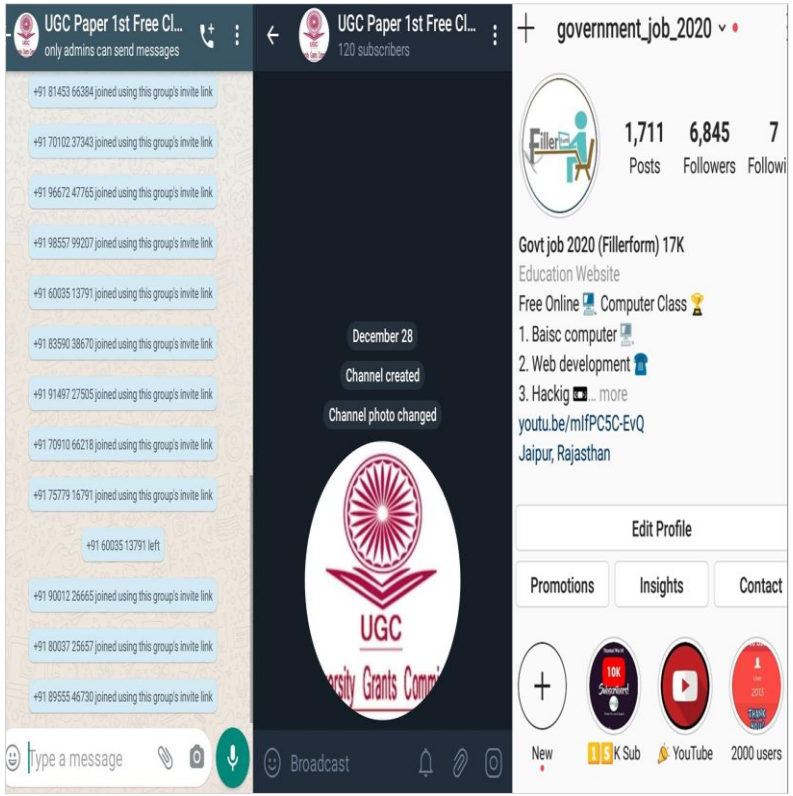
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
government_job_2020
1,711 Posts
6,845 Followers
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
December 28
Channel created
Channel photo changed
Type a message
Broadcast
New
K Sub
YouTube
2000 users

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% OFF
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

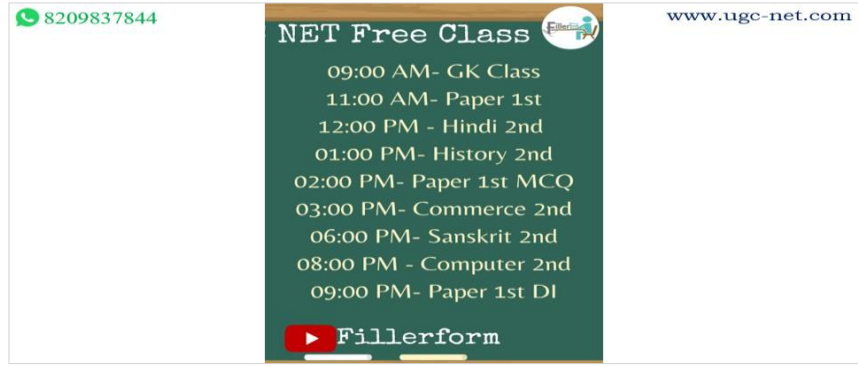
8209837844
NET Free Class
www.ugc-net.com
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
08:00 PM - Computer 2nd
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

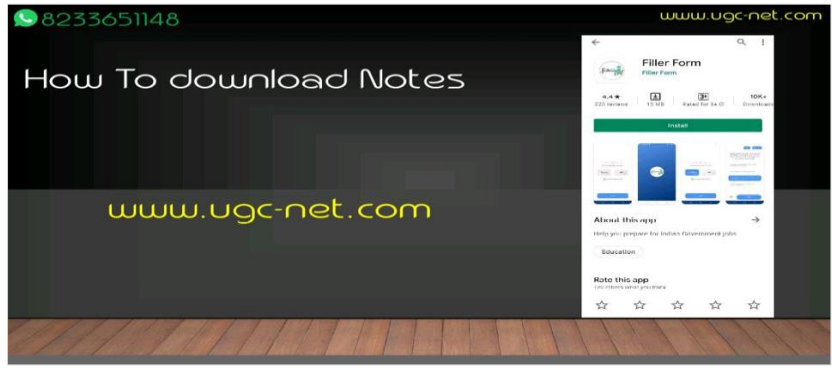
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com

UGC NET PAPER = SANSKRIT...
JRF का जलवा
3 April 2022
Google Meet
Time = 6 pm
NIDHU CHAUDHARY
B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d running

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

15K Sub

YouTube

2000 users

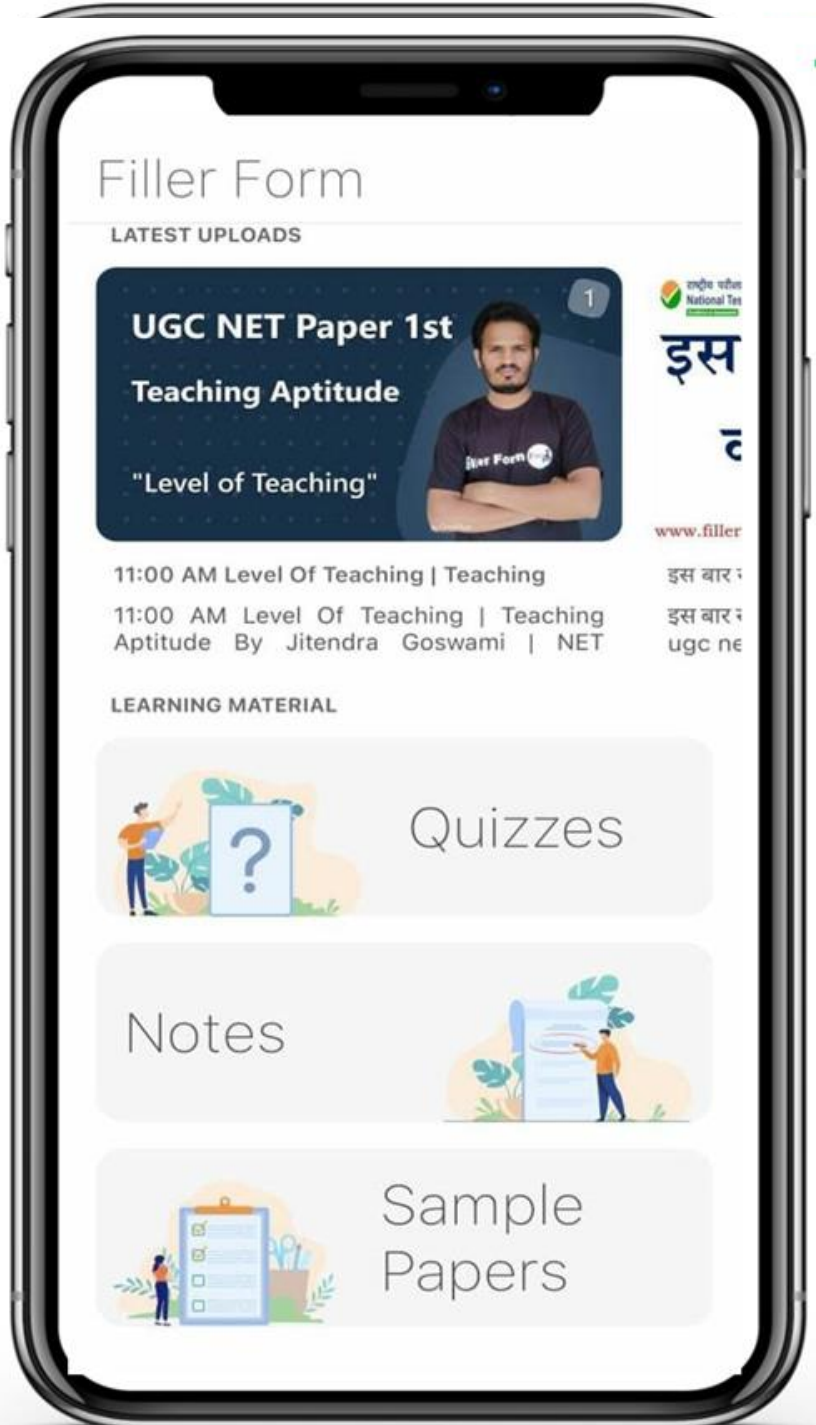

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

100% OFF

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

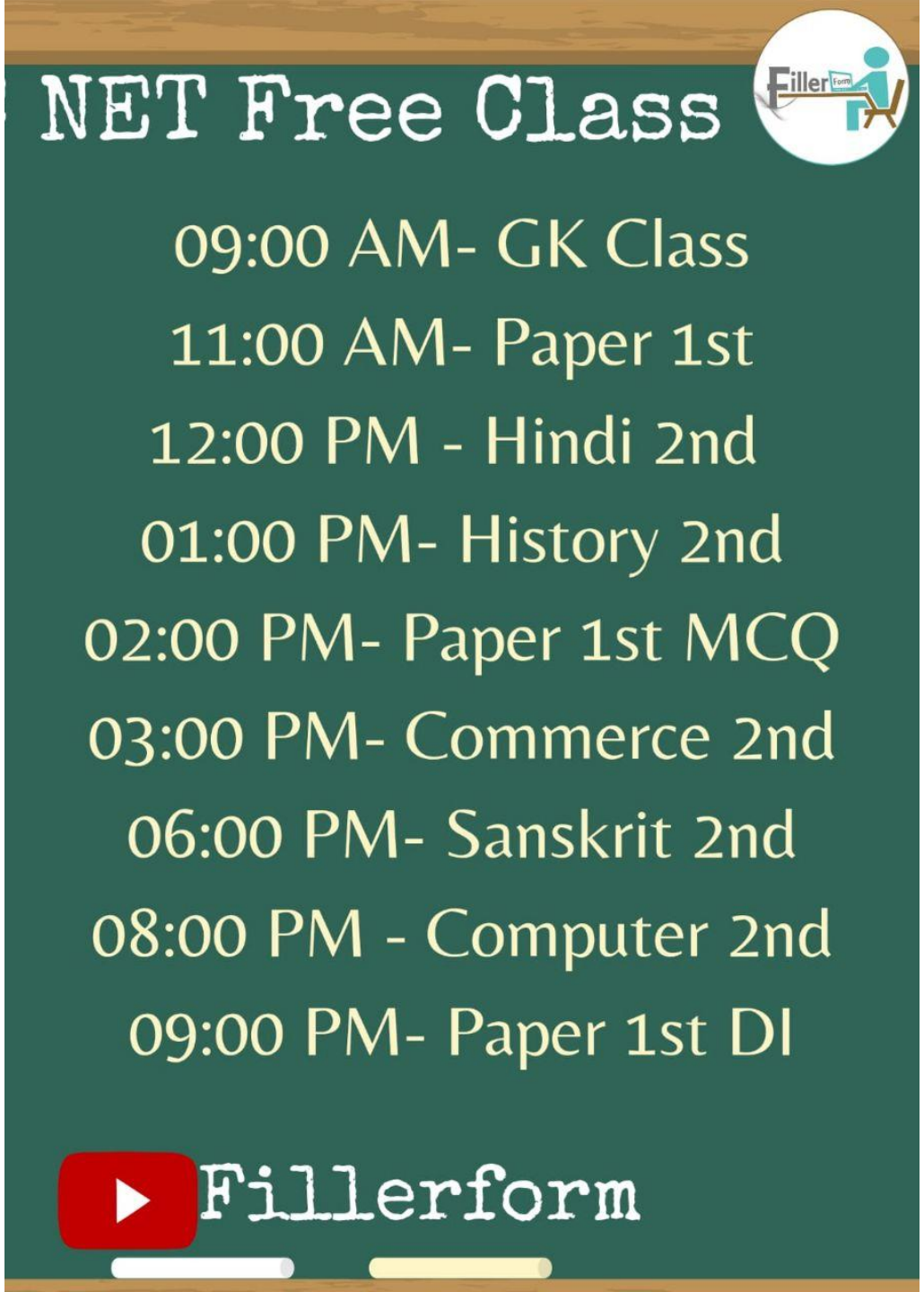

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

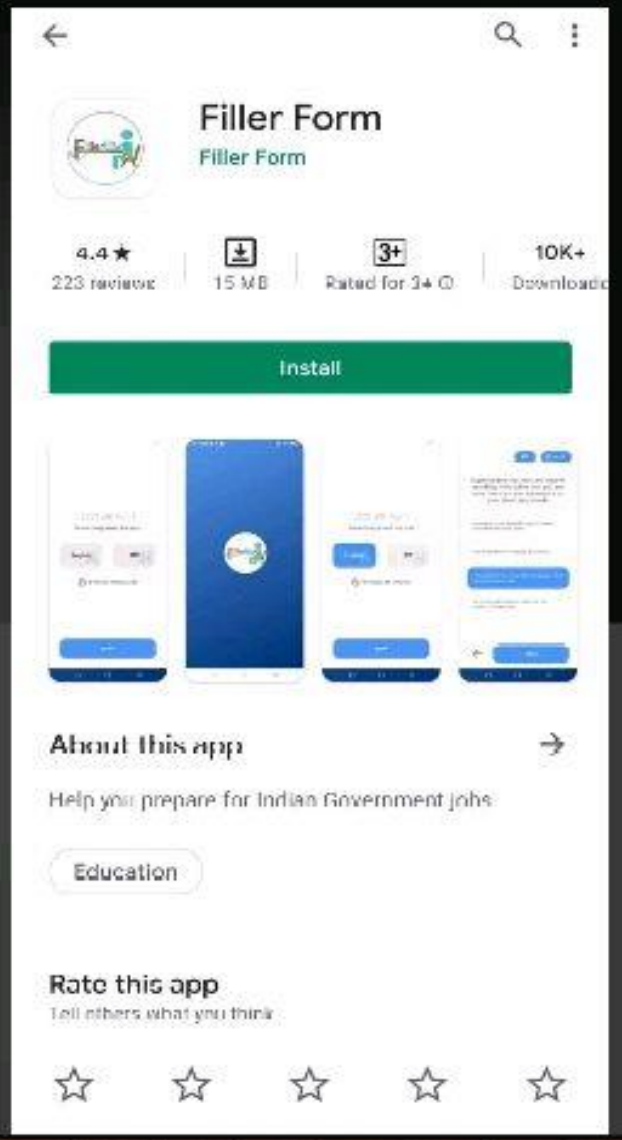

UGC NET PAPER = SANSKRIT...

🎯JRF का जलवा 🔥 🏆

3 April 2022

Time = 6 pm

Google Meet

NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d running

Join UGC NET Quiz

Join Free

www.ugc-net.com

Join UGC NET Quiz

- **09:30 AM- GK**
- **11:50 AM- Paper 1st**
- **02:50 PM- Paper 1st PYQ**
- **05:00 PM- 2nd Paper**
- **09:50 PM- Math MCQ**

www.ugc-net.com

8209837844 www.ugc-net.com

Home work Answer.....

27. अधस्तनेषु सत्यासत्यपर्यायेषु समीचीनं विचिनुत-

(a) भवभूतिना महाभारतं लिखितम्

(b) रामायणे रामस्य कथा वर्तते

(c) दशरथः अजस्य पुत्र आसीत्

(d) दशरथस्य माता अरुन्धती आसीत्

(A) असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्

(B) सत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, असत्यम्

(C) असत्यम्, सत्यम्, असत्यम्, सत्यम्

(D) असत्यम्, असत्यम्, सत्यम्, सत्यम्

28. सुन्दरकाण्डे सर्गाणां संख्या-

(A) 68 (B) 80

(C) 71 (D) 65

Today's Topic...

✸ महाभारत ✸

8209837844

www.ugc-net.com

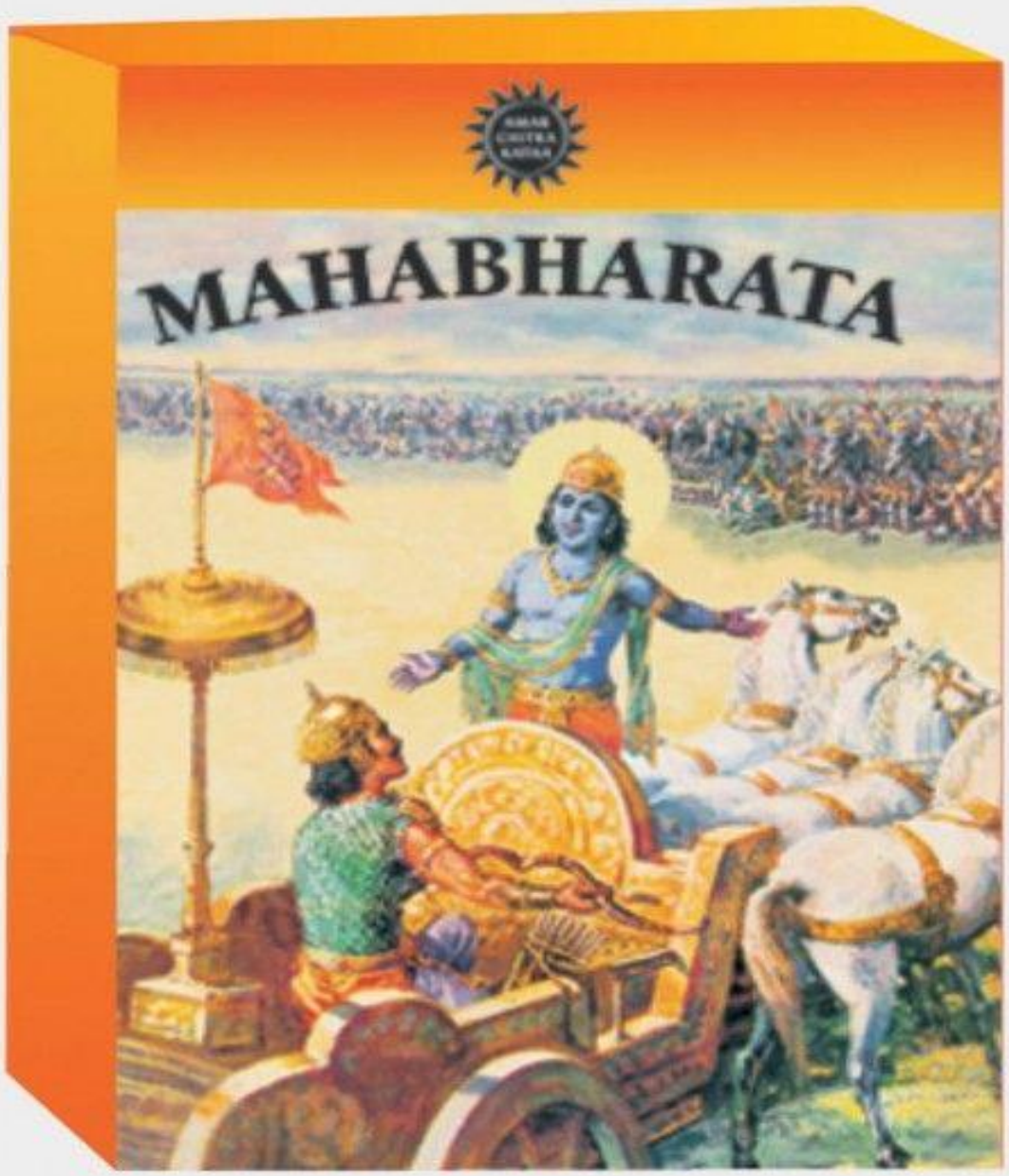

8209837844

www.ugc-net.com

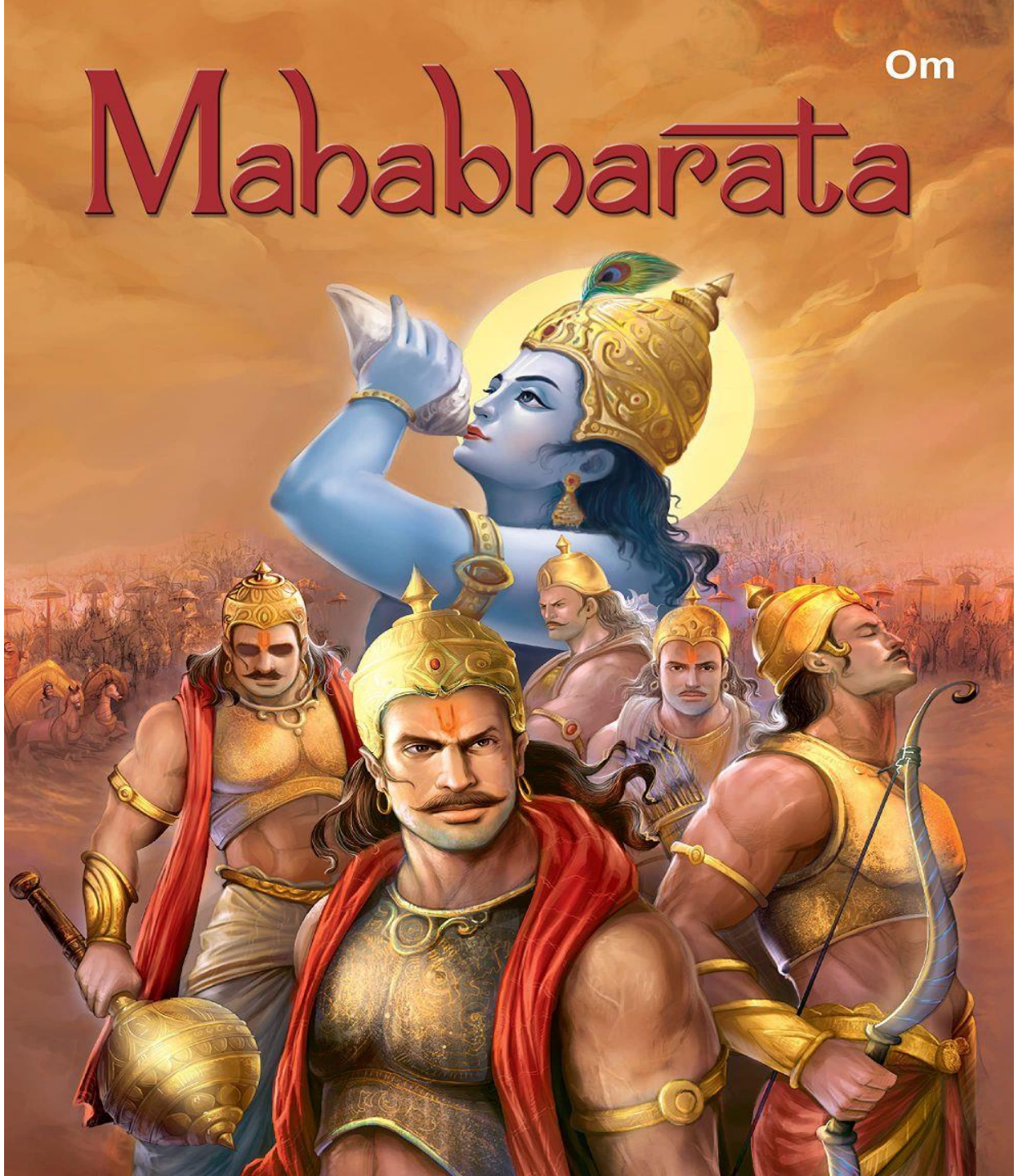

8209837844 www.ugc-net.com

॥महाभारत॥

महाभारत 'वेदव्यास' की रचना है। इसके विकास के तीन क्रम हैं-

1. जय 2. भारत 3. महाभारत।

"जय नामेतिहासोऽयम्।" जय इसमें 8800 श्लोक थे। भारत इसमें 24000 श्लोक थे। महाभारत में 100000 श्लोक हैं । इसे 'शतसाहस्त्रीसंहिता' भी कहते हैं। । इसमें (18) पर्व हैं।

8209837844

.ugc-net.com

प्रमुख कथा-

'व्यास' 'पराशर' एवं 'सत्यवती' के 'कनीन' पुत्र थे। व्यास के अपर नाम कृष्ण द्वैपायन, कृष्णमुनि, बादरायण हैं। धृतराष्ट्र, पाण्डु एवं दासी पुत्र विदुर नियोग विधि से वेदव्यास एवं अम्बिका , अम्बालिका एवं दासी की सन्तान हैं। महाभारत में **'शान्तिपर्व'** 14000 श्लोक सबसे बड़ा तथा **'महाप्रस्थानिकपर्व'** 115 श्लोक सबसे छोटा है। **'जय'** में कौरवों पर पाण्डवों की विजय की कथा है। **'भारत'** वैशम्पायन ने जनमेजय के नागयज्ञ के अवसर पर भारत का प्रवचन किया था। नैमिषारण्य में **'शौनक'** ऋषि से अनुष्ठित यज्ञ (द्वादश वार्षिक सत्र) के अवसर पर **'सौति'** नामक ऋषि ने महाभारत का प्रवचन किया था । शौनकादि ऋषि श्रोता थे। सावित्री की कथा वन पर्व में, इन्द्र द्वारा कवच कुण्डल लेना भी वन पर्व में, कीचक वध विराट पर्व में, कृष्ण का शान्ति दूत बनना उद्योग पर्व में, 'गीता उपदेश' भीष्म पर्व में, अश्वथामा की मणि निकालना सौप्तिक पर्व में, गान्धारी द्वारा कृष्ण वंश नष्ट होने का शाप स्त्री पर्व में 'पराशर गीता' – 'हंसगीता' वर्णन

8209837
ugc-net.com

शान्तिपर्व में, 'भीष्म उपदेश' शान्ति पर्व में, भीष्म का स्वर्गारोहण, 'विष्णुसहस्त्रनाम', 'शिवसहस्त्रनाम' अनुशासन पर्व में, युधिष्ठिर द्वारा अश्वमेध यज्ञ, अनुगीता आश्वमेधिक पर्व में, यादव विनाश श्रीकृष्ण का परमधाम गमन मौसल पर्व में, पाण्डवों की हिमालय यात्रा महाप्रस्थानिक पर्व में मिलता है। 'स्वर्गारोहणपर्व' को 'भारतसावित्री' भी कहते है। अश्वत्थामा ने नारायणास्त्र का प्रयोग 'द्रोणपर्व' में किया। अम्बोपाख्यान उद्योग पर्व में है। महाभारत के अवशिष्ट भाग को खिलपर्व (हरिवंश पर्व) कहा जाता है। इसे वैशम्पायन ने 'जनमेजय' को सुनाया था । इसमें भगवान श्री कृष्ण के वंश (वृष्णि-अन्धक) की कथा है। इसमें 'शान्तरस' प्रमुख है।

ब्रह्मा → वशिष्ठ → शक्ति → पराशर → व्यास → शुकदेव।

8209837844 www.ugc-net.com

महाभारत की विषयवस्तु-

॥मंगलाचरण॥

"नारायणं नमस्कृत्य नरं चैव नरोत्तमम्।
देवीं सरस्वतीं चैव ततो- जयमुदीरयेत"।।

8209837844 www.ugc-net.com

रचयिता - वेदव्यास,

रचना काल - (600-500 ई.पू.)

रीति - पाञ्चाली

प्रमुख छन्द - अनुष्टुप ।

8209837844 www.ugc-net.com

"धर्मे ह्यर्थे च कामे च मोक्षे च भरतर्षभ।
यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्"।।

महाभारत के खण्डों को पर्व कहते हैं ये (18) हैं-

1. आदि	2. सभा	3. वन
4. विराट	5. उद्योग	6. भीष्म
7. द्रोण	8. कर्ण	9. शल्य
10. सौप्तिक	11. स्त्री	12. शान्ति
13. अनुशासन	14. अश्वमेध	15. आश्रमवासी
16. मौसल	17. महाप्रस्थानिक	18. स्वर्गारोहण।

स्मरणार्थ-

"आ सभा व विराटश्च उद्योग भी द्रोण कर्ण शलः।
सौप्ति स्त्री शान्ति शासन मेध आश्रय मौसल प्रस्थान रोहणम्"।

8209837844 www.ugc-net.com

महाभारत का काल-

महाभारत का रचना काल 600 से 500 वर्ष ई. पू. माना जाता है । पाणिनि द्वारा रचित अष्टाध्यायी (600-400 ईसा पूर्व) में महाभारत और भारत दोनों का उल्लेख हैं तथा इसके साथ साथ श्रीकृष्ण एवं अर्जुन का भी संदर्भ आता है अतएव यह निश्चित है कि महाभारत और भारत पाणिनि के काल के बहुत पहले से ही अस्तित्व में रहे थे।

8209837844 www.ugc-net.com

महाभारतकालीन समाज-

सामाजिक जीवन- आमतौर पर महाभारत का काल उत्तर वैदिक के अंत से लेकर बुद्ध काल के काल को माना जाता है। महाभारत काल में सभी समाज का आधार पारिवारिक जीवन था।

8209837844 www.ugc-net.com

संयुक्त परिवार- इस काल में कुल या परिवार के सभी सदस्य एक साथ रहते थे। कुल का प्रमुख कुलपति कहलाता था। कुलपति या तो पिता होता था या सबसे बड़ा भाई होता था। महाभारत काल से यह संदर्भ मिलता है कि प्रायः परिवार में प्रेम होता था। आयु में छोटे सदस्य परिवार के सभी बड़े परिवारजनों का सम्मान करते थे और कुलपति सभी के कल्याण की चिंता करते हुए उनके साथ अच्छा व्यवहार करते थे। उस काल में निसंतान दंपति लड़का या लड़की को गोद ले सकते थे जो आगे चल कर उसके उत्तराधिकारी बनते थे।

8209837844 www.ugc-net.com

आश्रम- महाभारत काल में प्रत्येक व्यक्ति का जीवन एक खास व्यवस्था पे आधारित होता था उस काल में आश्रम विकसित जरूर हुए थे। लेकिन इसमें कोई जटिलता नहीं थी इनका प्रभाव उस समय जनता के जीवन पर बहुत था इसके कारण ही लोगों का नैतिक उत्थान हुआ। आश्रम व्यवस्थाओं को मुख्य चार भाग में बांटा गया था। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास ।

820983 .ugc-net.com

जाती प्रथा-

जाती प्रथा ने प्राचीन भारतीय समाज को स्थायित्व प्रदान किया। उसने देशी और विदेशी दोनों तत्वों का समावेश प्राचीन भारतीय समाज में आसानी से कर दिया क्योंकि उनके लिए यहाँ के जाति आधिक्रम में स्थान था। यह उल्लेखनीय है की अनेक प्राचीन समाजों में जो नग्न शोषण उन दिनों चल रहा था जैसे कि गुलामी की प्रथा वह भारत का नहीं था परन्तु जब भारत में विदेशियों का आगमन हुआ तो इस प्रथा का चलन भारत में भी तेजी से होने लगा। भारत में जातियों की संख्या बहुत अधिक थी। और जाति को मानने वाले लोगों के बीच संघर्ष भी बहुत था। इस समस्या का धर्म में कहीं कोई खास उपाय नहीं बताये गए थे। इसलिए वर्णव्यवस्था का विधान किया गया। सामाजिक कर्तव्यों के सुव्यवस्थित तरीके से निर्वाह के लिए वर्ण व्यवस्था को अलग-अलग भागों में बांटा गया।

Next class....

महाभारत

Home work Question....

37. महभारतस्य रचयिता –

(A) मनु (B) कौत्स

(C) नारद (D) व्यास

38. 'महाभारतं' वर्तते -

(A) पुराण (B) इतिहास

(C) आख्यान (D) काव्य

FEEDBACK

- आपको ये क्लास कैसा लगा ??

📝Comment box में अपना comment कर के Next Class में आपका solution पाए 📑 📝

For More Information....

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

/Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

जिसने भी खुद को खर्च किया है,
DUNIYA ने उसी को GOOGLE पर SEARCH किया है।।
www.fillerform.com
fillerform
2

THANK YOU